

तमाम गुड्स से जाया करती थी, उस कम्पनी को खत्म कर दिया है और एक कार्पोरेशन बनाया है जिसके मातहत वह बन रही है तो क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि शिपिंग कार्पोरेशन जो है और जो स्टीम नौवीगेशन कम्पनी के तमाम स्टीमर उसके मातहत चल रहे हैं तो उसमें यह बन्वोवस्त किन्ना जा सकता है कि कलकत्ता से जो सामान ही यावह गौहाटी सजाके यानी जो पहले सिललिल वह तमाम चीजें जानी चाहिए ।

कमलापति त्रिपाठी : मान्यवर, मैं ने निवेदन दिया कि सेंट्रल इनलैंड वाटर ट्रान्स्पॉर्ट कार्पोरेशन ने अब पहल की कम्पनी को ले लिया है और उनके पास फैसिलिटीज बहुत काफी हैं, कुछ कमाने लायक नहीं रह गये हैं तो भी काफी उनके पास हैं और इस बात की कोशिश की जा रही है कि इस जल मार्ग से भी सामान भेजा जा सके और इसके लिए बातचीत हुई है कि वह थोड़ा बहुत फ्रेट, जो घाटा लगता है उसको दें ताकि माल जल्दी पहुंच सके ।

New Registration of D.D.A. Flats

*212. SHRI ISHWAR CHAUDHRY:
SHRI G. P. YADAV:

Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether no registration has been done since long by D.D.A. for allotting houses to the people; and

(b) if so, the reasons therefor and by what time new registration will start?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI BHOLA PASWAN SHASTRI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

श्री ईश्वर चौधरी : सब से पहले तो मैं यह जानना चाहूंगा कि प्रश्न के अन्त में यह लिखा हुआ है कि और नया रजिस्ट्रेशन कब से शुरू हो जायेगा इस का जवाब नहीं आया ।

अध्यक्ष महोदय : वह कहते हैं कि रजिस्ट्रेशन बन्द ही नहीं हुआ ।

श्री ईश्वर चौधरी : मेरा निवेदन है कि एक पत्र में सूचना निकली है कि नया रजिस्ट्रेशन दिसम्बर से शुरू हो जायगा । तो क्या मंत्री जी उस सूचना को सही समझते हैं ? यदि हां, तो रजिस्ट्रेशन कब से लागू रखेंगे ?

श्री भोला पासवान शास्त्री : किस अखबार का हवाला दिया गया है ? वह अखबार अभी मेरे पास नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय : वह इन को देना चाहिये । मूल प्रश्न से सवाल पैदा ही नहीं होता और तान्तीय सदस्य द्वारा दूसरा सवाल बना रहे हैं ।

श्री ईश्वर चौधरी : अध्यक्ष जी, जी० डी० ए० ने योजना बनायी थी कि सर्व-साधारण लोगों को मालवीय नगर वगैरह में मकान देंगे । कुछ लोगों ने इस के लिये रुपया भी जमा किया है । लेकिन अब यह कहा जा रहा है कि जो आदमी 65,000 रु० जमा करेगा उसी को मकान दिया जायेगा । तो क्या यह पैसे वालों को बड़ाबा देना नहीं है ?

श्री भोला पासवान शास्त्री : जो 65,000 रु० का मकान होगा वह उतने में देना ही पड़ेगा । कम में कैसे दिया जायगा ।

श्री ईश्वर चौधरी : मेरा यह कहना है कि क्रिस्त पर न देकर पूरे रुपये पद दे रहे हैं ।

श्री भोला पास्वान शास्त्री : सर्व-साधारण के लिए क्रिस्त पर मकान देने की योजना भी है ।

अध्यक्ष महोदय : यह प्रश्न पैदा ही नहीं होता आप दोनों कर्षों लम्बे हुए हैं ।

श्री एस० एम० बनर्जी : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि ऐसी कितनी ऐप्ली-केशनस पेंडिंग हैं जिन का रजिस्ट्रेशन आलरेडी हो चुका है ? और क्या यह सही है कि लो मिडिल क्लास और मिडिल क्लास, इन दोनों ने काफी रुपया जमा कर रखा है । तो जो योजना आ रही है उस से कितने ऐसे मकान बनाये जायेंगे कि उन लोगों को दिये जा सकें जो आलरेडी रजिस्टर्ड हैं ?

श्री भोला पास्वान शास्त्री : अभी तक करीब सात हजार मकान आवंटित हो चुके हैं, 23,000 बाकी हैं । जो रजिस्टर कराते हैं वह कसिल भी करा देते हैं, और अभी जो स्थिति है वह यही है कि 23,000 बाकी हैं जो रजिस्टर्ड हैं, और सरकार दम्मीद करती है कि आगामी मार्च तक 10,000 मकानों का आवंटन हो जाएगा । बाकी आगे भी मकान बनते जायेंगे और आवंटन होते जायेंगे । यह सिलसिला जारी रहेगा ।

श्री एस० एम० बनर्जी : मकान बनना बन्द तो नहीं हो जायेगा ?

श्री भोला पास्वान शास्त्री : नहीं । यह जारी रहेगा ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, क्या आप की अनुमति से फ्लोडो बोधी जा रही है ? क्या यह जायज है ?

MR. SPEAKER: He has not asked for my permission.

SHRI P. G. MAVALANKAR: How can the photography be allowed? It is highly improper.

MR. SPEAKER: I think this photographer is some foreigner who does not know about it. I will enquire into it as to how he was allowed. No permission of the House or of the Speaker or from the Secretary-General was sought in this regard.

श्री हुकम चन्द कछवाय : कैमरा ले कर अन्दर कैसे आ गये ?

SHRI S. M. BANERJEE: They are a friendly country. It may be politely explained to them.

MR. SPEAKER: It is not a question of action or no action. After all, we extend all the courtesy to all foreign dignitaries and visitors. They must also have the courtesy to inform us and seek the permission. We have up to this time never allowed photographing inside this House.

SHRI JAGANNATH RAO: According to the recent advertisement issued by the DDA, 2 per cent of the flats are reserved for allotment to MPs. In view of the fact that MPs also have formed a co-operative society—most of them are members of that society—and they did not get any land...

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMEN-TARY AFFAIRS AND IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUS-ING (SHRI OM MEHTA): They have got the land.

SHRI JAGANNATH RAO: ..may I request that the 2 per cent should be increased to 5 per cent?

SHRI BHOLA PASWAN SHASTRI: This is a request for action. Govern-ment would look into it.

श्री सुशम चन्द कछवाय : क्या मंत्री महोदय को इस प्रकार की शिकायत मिली है कि अफ्री जो मकान बन रहे हैं, जितनी उन की कीमत रखी गयी है उस हिसाब से मकान बनाने में अच्छा सामान नहीं लगाया जा रहा है, टिया किस्म का माल लगाया जाता है। काफ़ी हिस्सा किताब की शिकायत मिली है, चाहे सीमेंट हो या लकड़ी हो, ठीक प्रकार का सामान क्वार्टर्स में लगाया नहीं आ रहा है। क्या आप इस की जांच करायेंगे? जो मध्यम वर्ग का कर्मचारी पैसा देता है उतने में पैसे का माल नहीं लगता है, और उस से काफ़ी अधिक पैसा लिया जाता है?

श्री भोला पास्वान शास्त्री : यह प्रश्न बड़ा सामान्य ढंग का है। जो शिकायत मिलती है उस की जांच करायी जाती है। किसी खास बिन्दु की तरफ़ माननीय सदस्य तवज्जह दिलायेंगे तो जरूर सरकार उस पर विचार करेगी।

श्री सुशम चन्द कछवाय : मैंने पत्र लिखा था लेकिन उस का कोई जवाब नहीं आया।

श्री भोला पास्वान शास्त्री : आप ने जो पत्र लिखा है उस की खबर दी जायगी।

श्री ए० के० एम० इसहाक : मिडिल इन्कम ग्रुप के लिये भी मकानों की योजना है लेकिन उन मकानों की कीमत 20, 40, 50,000 रु० रखी गयी है, और यह सुना जा रहा है कि लोग पूरी रकम दे दें या आधी रकम दे दें। मेरा कहना है कि लोग इन्कम ग्रुप के लोगों के पास इतना पैसा नहीं है कि एक मुस्त इतनी बड़ी रकम दे सकें। तो उन के लिये क्या कोई ऐसी स्कीम है कि स्माल इंस्टीट्यूट पर उन से मकान की कीमत ली जाय जिस से वह मकान ले सकें?

श्री भोला पास्वान शास्त्री : बनाने लगे रहे हैं। योजना पहले से ही है।

अध्यक्ष महोदय : बड़ा मुश्किल है, न सदस्य कंट्रोल में हैं और न मंत्री कंट्रोल में हैं। कोई नहीं सुनता आज मेरी। सवाल यह था कि रजिस्ट्रेशन बन्द तो नहीं कर दिया है? अगर कर दिया है तो उस की क्या वजह है। मंत्री जो ने कहा कि बन्द नहीं किया है, इस के बाद दूसरा सवाल ही पैदा नहीं होता। अब नये नये सवाल पैदा हो रहे हैं, न मंत्री सुनते हैं, और न सदस्य सुनते हैं। आप ज़बरदस्ती जब जवाब देते हैं तो उस से दूसरे सवाल पैदा हो जाते हैं। जब कोई कल अखबार में पढ़ेगा तो आप को गिला नहीं करेगा, बल्कि वह सोचेगा कि स्पीकर ही कोई ऐसा बैठा होगा।

Question No. 213. Shri H. M. Patel—absent.

Shri Nawal Kishore Sharma—absent.

Question No. 214. With regard to this question I want to make it very clear before this House that though this Member has not come to put the question, this question has come into the Order Paper by mistake. We can ask broad questions of policy on the University, but not internal complaints about some professors or some faculties. They are matters concerning the Chancellors and the Vice-Chancellors. I am sorry this Question found its place in the Order Paper..

AN HON. MEMBER: Inadvertently. *214.

[Withdrawal by the Member]

MR. SPEAKER: Question 215. Shri B. N. Reddy—absent.

Question 216. Shri Sukhdeo Prasad Verma—absent.

Question 217. Shri Virbhadra Singh.